पाठ 8

धानों का गीत

(प्रस्तुत गीत में किसान की तान में सुर मिलाकर धान, चाँदनी एवं गाँव के विश्वास को बड़ी ही सरलता से प्रस्तुत किया गया है। कवि ग्रामीण परिवेश के अन्तर्गत किसान के स्वर में बादल का स्वागत करता है।)

धान उगेंगे कि प्रान उगेंगे
उगेंगे हमारे खेत में,
आना जी बादल जरूर !

चन्दा को बाँधेंगे कच्ची कलगियों
सूरज को सूखी रेत में,
आना जी बादल जरूर !
आगे पुकारेगी सूनी डगरिया
पीछे झुके वन-बेंत,
संझा पुकारेंगी गीली अँखड़ियाँ
भोर हुए धन-खेत,
आना जी बादल जरूर,
धान कँपेंगे कि प्रान कँपेंगे
कँपेंगे हमारे खेत में,

आना जी बादल जरूर !
धूप ढरे तुलसी-वन झरेंगे
साँझ घिरे पर कनेर,
पूजा की बेला में ज्वार झरेंगे,
धान-दिये की बेर,
आना जी बादल जरूर,
धान पकेंगे कि प्रान पकेंगे
पकेंगे हमारे खेत में, आना जी बादल जरूर !
-केदारनाथ सिंह

केदारनाथ सिंह का जन्म नवम्बर सन् 1934 ई0 को बलिया जनपद चकिया गाँव में हुआ था। कई स्थानों पर अध्यापन कार्य करते हुए अन्त में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली में प्रोफेसर एवं अध्यक्ष रहे। 'अभी बिल्कुल अभी', 'यहाँ से देखो' 'जमीन पक गयी है', 'अकाल में सारस', 'बाघ' आदि आपके काव्य संग्रह हंै। आपने आरम्भ में नवगीतों की रचना की। आगे चलकर आप आधुनिक बोध तथा प्रगतिशीलता से जुड़ गये। सन् 2013 में आपको ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शब्दार्थ

प्रान = प्राण। कलगियों = धान की कोमल बालियों। अँखड़ियाँ = आँखंे। कनेर = पीले रंग का एक फूल।

प्रश्न अभ्यास

कुछ करने को

1. यह कविता 'आना जी बादल जरूर' पंक्ति को आधार बनाकर लिखी गयी है। इसी प्रकार 'विद्यालय जायेंगे जरूर' को आधार बनाकर चार पंक्तियों वाली कविता की रचना कीजिए।

2. इस कविता को लय के साथ कक्षा में सुनाइए।

विचार और कल्पना

बादल और वर्षा कृषक-जीवन के आधार होते हैं। लहलहाते धान के खेतों को देखकर किसान प्रसन्न हो जाता है। वर्षा ऋतु के कुछ विशेष नक्षत्रों में वर्षा अधिक होने पर धान की फसल अच्छी होती है। बताइए कि किन नक्षत्रों में वर्षा अधिक होती है।

गीत से

1. बादल का स्वागत कौन-कौन और कब-कब कर रहे हैं ?

2. पंक्तियों के भावार्थ स्पष्ट कीजिए-

(क) चंदा को बाँधेंगे कच्ची कलगियों, सूरज को सूखी रेत में।

(ख) संझा पुकारेंगी गीली अँखड़ियाँ, भोर हुए धन-खेत।

(ग) पूजा की बेला में ज्वार झरेंगे, धान-दिये की बेर।

3. धान को प्रान क्यों कहा गया है ? समझाकर लिखिए।

4. 'धान उगेंगे कि प्रान उगेंगे', 'धान कँपेंगे की प्रान कँपेंगे', और 'धान पकेंगे कि प्रान पकेंगे'- इन तीनों पंक्तियों के भावार्थ की तुलना करते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि ‘उगेंगे’, ‘कँपेंगे’ और ‘पकेंगे’ से क्या आशय है।

भाषा की बात

1. जहाँ प्रकृति की वस्तुओं को मानवीय व्यवहार की तरह दिखाया जाता है, वहाँ मानवीकरण

होता है, जैसे- संझा पुकारेगी। इसी तरह कविता में मानवीकरण के अन्य उदाहरण ढूँढ़कर लिखिए।

2. कविता में अनेक तद्भव शब्दों का प्रयोग हुआ है, जैसे- प्रान और चन्दा। इनका तत्सम रूप क्रमशः ‘प्राण’ और ‘चन्द्रमा’ है। कविता में आये अन्य तद्भव शब्दों को छाँटिए तथा उनका तत्सम रूप लिखिए।